यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना **जय महावीर** **जय गुरु राम**

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2019

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 12 तत्त्व

अंक 100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

नोट:-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे।

1- lerk lLdkj ikB'kkyk d fo|kFkh gk rk ¼✓½ lgh ;k ¼✗½ xyr dj A ¼ ½

2- vkiu fdruh lkekf;d dh g 1]2]3 dkye e fy[kA ¼ ½

(तत्त्व विभाग) गमक का थोकड़ा- 70

प्रश्न 1. अंकों में उत्तर दीजिए- 10

1. सूर्य विमान वासी देव के आगति स्थान-

.....।

2. 2 भव 8 भव की अपेक्षा कुल गमक-

.....।

3. वाणव्यन्तर के घर में जाने वाले स्थल चर युगलिक की जघन्य अवगाहना-

.....।

4. प्रथम पृथ्वी में जाने वाले जीवों के कुल भणत्ता-

.....।

5. मनुष्य के घर में सर्वार्थ सिद्ध का देव अवि तो कुल गमक-

.....।

6. उत्कृष्ट संख्याता उत्पन्न होने के गमक कितने–

.....।

7. 2 भव के जघन्य गमक कितने–

.....।

8. तिर्यंच पंचे के घर में आने वाले जीवों के कुल नाणत्ती–

.....।

9. रत्नप्रभा पृथ्वी के नैरयिक तिर्यंच पंचे के घर में उत्पन्न हो तो उसका उत्कृष्ट कालादेश कितना–

.....।

10. आणत देवलोक में जाने वाले मनुष्य की जघन्य अवगाहना–

.....।

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए– **10**

1. स्तनित कुमार के घर में जाने वाले सभी युगलिक ..... होते है।
2. ..... संहनन वाला छठे देवलोक तक ही जाता है।
3. पृथ्वीकाय के घर में उत्पन्न होने वाले देवता के अध्यवसाय ..... होते है।
4. देवकुरू क्षेत्र का युगलिक मनुष्य सौधर्म देवलोक में ..... गमक से जाता है।
5. ..... के घर में 43 जीव उत्पन्न होते हैं।
6. बेइन्द्रिय अप्पकाय के घर में 4 गमक (1,2,3,4,5) से जावे तो जघन्य 2 भव उत्कृष्ट .....भव करत हैं।
7. सातवीं पृथ्वी में जाने वाला मनुष्य लगातार उत्कृष्ट ..... सागरोपम से अधिक काल तक नहीं रह सकता।
8. तिर्यंच पंचे के घर में असंज्ञी और संज्ञी मनुष्य जावे तो कुल गमक ..... होते हैं।
9. जघन्य स्थिति वाला युगलिक भवनपति में ..... की स्थिति पाता हैं।
10. लब्धि के 20 बोल में ..... बोल में जाने वाले जीव के उस भव संबंधी कथन किया गया है।

प्रश्न 3. निम्न प्रश्नों का उत्तर दीजिए (संक्षेप में)– **10**

1. मनुष्य के घर में जाने वाले गर्भज हाथी की उत्कृष्ट स्थिति कितनी हो सकती है?

.....

.....।

2. बरसात के पानी में उत्पन्न मेंढक काल करके नरक में जावे तो उत्कृष्ट कितनी स्थिति पाता है?

.....
.....।

3. करोडपूर्व झाझेरा की स्थिति वाले मनुष्य युगलिक किस क्षेत्र में पाए जाते है?

.....
.....।

4. ऐसा कौन-सा घर है जहां से जीव काल करके जावे तो एक भी नाणत्ता नहीं पडता है?

.....
.....।

5. वैमानिक देवों के कुल कितने घर है?

.....
.....।

6. भवनपति के घर में जाने वाले तिर्यंच युगलिक की उत्कृष्ट अवगाहना कितनी होती है?

.....
.....।

7. वैक्रिय के 15 घरों (पहली पृथ्वी, भवनपति से दूसरे देवलोक) में जाने वाले संज्ञी मनुष्य जघन्य गमकों से कितने नाणत्ता होते हैं?

.....
.....।

8. मनुष्य के घर में असंज्ञी मनुष्य कौन-से गमक से जाने तो संख्याता ही उत्पन्न होते है?

.....
.....।

9. सम्यग्दृष्टि युगलिक स्थलचर देवलोक में उत्कृष्ट कितनी स्थिति पा सकता है?

.....
.....।

10. पृथक्त्व मास की स्थिति वाला मनुष्य काल करके दूसरे देवलोक में जाए तथा वहाँ की स्थिति पूरी करके वापस मनुष्य बने तो जघन्य कितनी स्थिति पूरी करके काल कर सकता है?

.....
.....।

प्रश्न 4. जोड़ी मिलाइए– **10**

1. 96 गमक	A. वैक्रिय के घर में जाने वाला असंज्ञी तिर्यंच पंचे
2. नाग कुमार	B. 102 गमक
3. मिथ्यादृष्टि	C. 128 नाणत्ता
4. पाँच स्थावर	D. जगन्य 2 भव उत्कृष्ट असंख्यात भव
5. चउरिन्द्रिय	E. 345 गमक
6. ते उकाय	F. 34 नाणत्ता
7. वैक्रिय के 32 जीवों के	G. 5 नाणत्ता
8. तिर्यंच पंचेन्द्रिय	H. 45 गमक
9. 22 वाँ उद्देशक	I. 14 गमक
10. युगलिक	J. 613 नाणत्ता

प्रश्न 5. सही (अ) गलत (ग) बताइए– **10**

1. मनुष्य के घर में संज्ञी तिर्यंच और संज्ञी मनुष्य 9 गमक से जाते है तो ज. 2 भव उ. 8 भव करते है।( )
2. उत्कृष्ट करोड़पूर्व की स्थिति वाले मनुष्य की अवगाहना नियमा 500 धनुष की होती है। ( )
3. अपर्याप्त युगलिक की अवगाहना अंगुल के असंख्यात वें भाग से अधिक नही होती है। ( )
4. 3 पल्योपम की स्थिति वाला युगलिक देवलोक में 10,000 वर्ष की स्थिति पा सकता है। ( )
5. ज्योतिषी तक जाने वाले खेचर युगलिक की अवगाहना उ. 900 धनुष झाझेरी होती है। ( )
6. संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय अन्तर्मुहूर्त में हजार योजन की अवगाहना पूरी कर लेता है। ( )
7. भवस्थान सातवाँ में जघन्य 3 भव उत्कृष्ट 7 भव करता है। ( )
8. उत्कृष्ट में असंख्यात उत्पन्न होने के 1859 गमक होते हैं। ( )
9. जघन्य 2 भव उत्कृष्ट संख्यात भव के अधिक 78 गमक होते हैं। ( )
10. अप्पकाय के घर में तेउकाय के जीव जावे तो लेश्या का नाणत्ता नहीं पडता है। ( )

प्रश्न 6. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **10**

1. तिर्यंच पंचेन्द्रिय के घर में संज्ञी मनुष्य औधिक से उत्कृष्ट गमक से जावे तो उत्कृष्ट कालादेश क्या होगा?

.....।

2. एक पल्योपम की स्थिति वाला मनुष्य ज्योतिषी के घर में जावे तो जघन्य और उत्कृष्ट कितनी स्थिति पाता है?

.....।

3. तमस्तमा पृथ्वी के घर में उत्कृष्ट से औधिक गमक से मनुष्य जावे तो उत्कृष्ट कालादेश क्या होगा?

.....।

4. ऐसे कौन से भव स्थान है जिसमें जीव नियमा 2 भव ही करता है?

.....।

5. 7 क्रोड़ पूर्व 100 वर्ष की स्थिति वाले युगलिक वैक्रिय के कौन से घरों में उत्पन्न होते हैं।

.....।

6. तिर्यंच पंचे के घर में असंज्ञी मनुष्य जावे तो उत्कृष्ट कितनी स्थिति पाता है?

.....।

7. दो गाऊ झाझेरी वाला युगलिक कौन से देवलोक में उत्पन्न होता है?

.....।

8. वनस्पतिकाय का जीव मनुष्य के घर में जघन्य से औधिक गमक से जावे तो अध्यवसाय कैसे हो सकते हैं?

.....।

9. वैक्रिय के घरों के जीव कहीं भी जावे तो कुल कितने नाणत्ता होते है?

.....।

10. दो सागरोपम झाझेरी की स्थिति वाला देवता किन घरों में उत्पन्न हो सकता है?

.....।

प्रश्न 7. औदारिक के घर में आने वाले जीवों के संबंधी कितने गमक टुटे हैं? कौन से? 2

.....।

प्रश्न 8. 100 वर्ष की स्थिति वाला अप्पकाय का जीव वनस्पति के घर में किन गमकों से उत्पन्न हो सकता है?

.....।

प्रश्न 9. पृथ्वीकाय का जीव 5 स्थावर और तीन विकलेन्द्रिय के घर में जावे तो कुल कितने नाणत्ता होते है?

.....।

प्रश्न 10. 2 भव 8 भव के औधिक के जघन्य के उत्कृष्ट के कितने गमक होते हैं? 2

.....।

11. छठीं पृथ्वी में परस्पर गमनागमन करते हुए उत्कृष्ट भव करने वाला उत्कृष्ट स्थिति वाले जलचर का उत्कृष्ट काला देश कितना होगा? 2

.....।

दिशाणुवायु का थोकड़ा 30

प्रश्न 12. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए- 10

1. ..... दिशा में घनीभूत पृथ्वी अधिक है।
2. पश्चिम दिशा में ..... देव के द्वीप है।
3. बादर तेउकाय ..... दिशा सबसे अधिक है।
4. पूर्व दिशा की अपेक्षा ..... देवा दक्षिण दिशा में विशषाधिक है।
5. ..... विमान पूर्व पश्चिम दिशा में नहीं है।
6. उत्कृष्ट पाप करने वाले तिर्यंच पंचे ..... पृथ्वी में उत्पन्न होते है।
7. मानस सरोवर उत्तर दिशा में ..... योजन वाले एक द्वीप में है।
8. ..... दिशा में पृथ्वीकाय के जीव सबसे कम है।
9. मनुष्य सबसे अधिक ..... दिशा में सिद्ध होते है।
10. ..... दक्षिण दिशा में अधिक उत्पन्न होते है।

प्रश्न 13. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 20

1. ज्योतिषी देव किस दिशा में सबसे थोड़े है? क्यों?

.....।

2. वायुकाय किस दिशा में सबसे अधिक है? क्यों?

.....।

3. मनुष्य दक्षिण और उत्तर दिशा की अपेक्षा पूर्व दिशा में कितने अधिक है? क्यो?

.....।

4. नैरयिक किस दिशा में सबसे कम है और किस दिशा में सबसे अधिक है? जिस दिशा में सबसे अधिक है उसका कारण बताये?

.....।

5. सलिलावती और वप्रा विजय किस दिशा में है? इन विजयों की वजह से कौन-कौन से जीव यहाँ सबसे अधिक पाए जाते है?

.....।

6. दिशाणुवाय के थोकड़े के आधार से बताए कि किस दिशा में जीव सबसे अधिक है? क्यो?

.....।

7. शर्करा प्रभा, बालुका प्रभा और पंक प्रभा पृथ्वी के नैरयिकों की अल्पा बहुत्व लिखें?

.....।

8. नवग्रैवेयक के देवता किस दिशा में सबसे कम है और किस दिशा में सबसे अधिक है?

.....।

9. गौतम द्वीप किस समुदु में है और उसका विस्तार कितना है? उसके कारण कौन से जीव इस दिशा में सबसे अधिक है?

.....।

10. ज्योतिषी देव किस दिशा में क्रीड़ा निमिन्त जाते है? कहाँ जाते है? वह कितना लंबा चौड़ा है?

.....।